

"रेडियो मैन ऑफ इंडिया" ने बनाया रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के राम सहि बौद्ध ने रेडियो की वरिष्ठता को संरक्षित करते हुए अपने अद्वितीय [रेडियो](#) संग्रह के साथ [गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड](#) बनाया।

मुख्य बिंदु

- **वर्ल्ड रिकॉर्ड रेडियो संग्रह :**
 - "भारत के रेडियो मैन " के नाम से प्रसिद्ध राम सहि बौद्ध ने 1920 के दशक से लेकर 2010 तक के 1,257 अद्वितीय रेडियो का संग्रह एकत्र किया है।
 - उनके संग्रह ने एम. प्रकाश के 625 रेडियो के पछिले वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।
- **प्रधानमंत्री द्वारा मान्यता:**
 - रेडियो की वरिष्ठता को संरक्षित करने के लिये बौद्ध के जुनून को राष्ट्रीय मान्यता तब मली जब प्रधानमंत्री ने नवंबर 2023 में [मन की बात](#) रेडियो कार्यक्रम के दौरान उनका उल्लेख किया।
 - प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो को प्रासंगिक बनाए रखने के लिये बौद्ध के समर्पण पर प्रकाश डाला तथा कहा कि उनके प्रयासों से उनके संग्रह के बारे में जिज्ञासा बढ़ी है।
 - प्रधानमंत्री ने माना कि [मन की बात](#) ने रेडियो और [आकाशवाणी \(All India Radio\)](#) के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, जिससे ये कई घरों में एक बार फिर लोकप्रिय हो गए हैं।

रेडियो स्पेक्ट्रम

- रेडियो स्पेक्ट्रम (जिसे [रेडियो फ्रीक्वेंसी](#) या [RF](#) के रूप में भी जाना जाता है) विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम का एक हिस्सा है, इस आवृत्तियों में [विद्युत चुंबकीय तरंगों को रेडियो](#) आवृत्तियों बैंड या बस ['रेडियो तरंगों'](#) कहा जाता है।
- विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों की तरंगदैर्घ्य सबसे लंबी होती है। इनकी खोज [हेनरिक हेरट्ज़](#) ने 1880 के दशक के अंत में की थी।
- RF बैंड 30 kHz और 300 GHz के बीच की सीमा में वसितारति है (वैकल्पिक दृष्टिकोण 3 KHz – 300 GHz की कवरेज प्रदान करता है)।

//



